विकसित होंगे 26 और शहर

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

सिटी डेवलपमेंट प्लान में 26 और शहर शामिल होंगे। इस समय इस योजना में 29 शहर ही शामिल हैं। इस समय इन्हीं शहरों में सपोर्ट प्रोग्राम फॉर अर्बन रिफॉर्म्स (स्पर) कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। राज्य सरकार के ताजा निर्णय के मुताबिक अब 55 शहरों में विकास के कार्य एक साथ चलेंगे। ग्रेट ब्रिटेन के डिपार्टमेंट फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (डीएफआईडी) ने भी इन शहरों के विकास की योजना पर सहमति दे दी है। इस समय राज्य में स्पर कार्यक्रम डीएफआईडी के ही सहयोग से संचालित हो रहे हैं।

नगर विकास व आवास विभाग ने इस योजना पर काम प्रारंभ कर दिया है। स्पर कार्यक्रम के तहत शहरों के विकास की व्यापक योजना है। शहरों को व्यवस्थित करने से लेकर उसे गंदगीमुक्त बनाने, पेयजल आपूर्ति, जल निकासी-सीवरेज, कचरा प्रबंधन, नदी तट विकास, शहरों को स्लममुक्त बनाने, बेहतर यातायात प्रबंधन, सैटेलाइट टाउनशिप विकसित करने जैसी कई योजनाएं हैं। इनमें से कई योजनाएं पहली बार बनी हैं तो कई वर्षों से कार्यान्वयन की प्रतीक्षा में हैं। अबतक इन योजनाओं को लेकर 29 शहरों पर ही ध्यान फोकस था। पर, अब ये तमाम योजनाएं सभी चयनित 55 शहरों में संचालित होंगी। अब इन शहरों के भविष्य की जरूरतों को देखते हुए नागरिक सुविधाओं का विकास होगा।

अब 55 शहरों में नागरिक सुविधाओं का होगा विकास

सिटी डेवलपमेंट प्लान में शामिल होने वाले नए शहर

मधुबनी, समस्तीपुर, बाढ़, मोकामा, मसौढ़ी, बक्सर, डुमरांव, भभुआ, हिलसा, जहानाबाद, अरवल, रक्सौल, बगहा, नरकटियागंज, बेनीपुर, सुल्तानगंज, लखीसराय, शेखपुरा, जमुई, खगड़िया, बिहट, गोपालगंज, मधेपुरा, सुपौल, अररिया और फारबिसगंज ।

सिटी डेवलपमेंट प्लान में शामिल शहर

पटना, दानापुर निजामत, खगौल, फुलवारीशरीफ, गया, बिहारशरीफ, बोधगया, औरंगाबाद, नवादा, हाजीपुर, छपरा, सीवान, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, बेतिया, मोतिहारी, डेहरी, सासाराम, आरा, बेगूसराय, दरभंगा, पूर्णिया, सहरसा, किशनगंज, कटिहार, भागलपुर, मुंगेर, जमालपुर और राजगीर।

क्या है भविष्य की योजना

- शहरों का 30 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखकर सिस्टमेटिक डेवलपमेंट प्लान
- मुख्य रूप से जल से संबंधित योजनाएं, पेयजल, सिवरेज, ड्रेनेज, ठोस कचरा प्रबंधन, सड़क एवं पुल निर्माण, फुटपाथ स्ट्रीट लाइट, व्यवस्थित कॉलोनी, बेहतर व उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं, जरूरत के अनुसार विद्यालय, उनके रखरखाव, जरूरत के अनुसार धन का प्रबंधन आदि

क्या है सिटी डेवलपमेंट प्लान

सूबे के शहरों को अगले पांच वर्षों में देश के विकासशील शहरों की श्रेणी में खड़ा करने की योजना। ये शहर पूर्णतः व्यवस्थित व नागरिक सुविधाओं से युक्त होंगे। अलग-अलग शहरों की अलग-अलग व्यवस्थित योजनाएं होंगी और उसी आधार पर वहां विकास व निर्माण कार्य होंगे। सपोर्ट प्रोग्राम फॉर अर्बन रिफार्म्स के तहत इन शहरों की भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकास योजनाओं का प्रारूप तैयार किया गया है।

क्या-क्या होगा

- पूरे शहर में अनिवार्य सीवरेज सिस्टम
- कचरे के निपटारे का पुख्ता प्रबंध
- पूरे क्षेत्र में पाइप के माध्यम से पानी सप्लाई
- रिहायशी कॉलोनियों-आवासों का निर्माण
- सिस्टमेटिक व वैध निर्माण

क्या कहते हैं मंत्री

हम शहर का व्यवस्थित व समग्र विकास चाहते हैं। इस समय इस योजना में मात्र 29 शहर ही शामिल थे। हमने इस दायरे को और व्यापक बना दिया है। अब 55 शहरों के विकास की समेकित योजना पर एक साथ काम होगा।

- डॉ. प्रेम कुमार, नगर विकास व आवास मंत्री

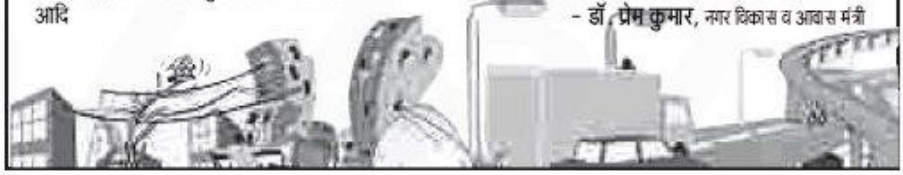

नगर विकास व आवास विभाग के नए निर्णय के अनुसार सभी 11 नगर निगम, सभी 42 नगर परिषद और राजगीर व बोधगया को इस योजना में शामिल करने पर सहमति बनी है।

बीते दिन विभाग के सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ के साथ डीएफआईडी इंडिया के अधिकारियों की बैठक में इस संबंध में अहम निर्णय लिए गए।